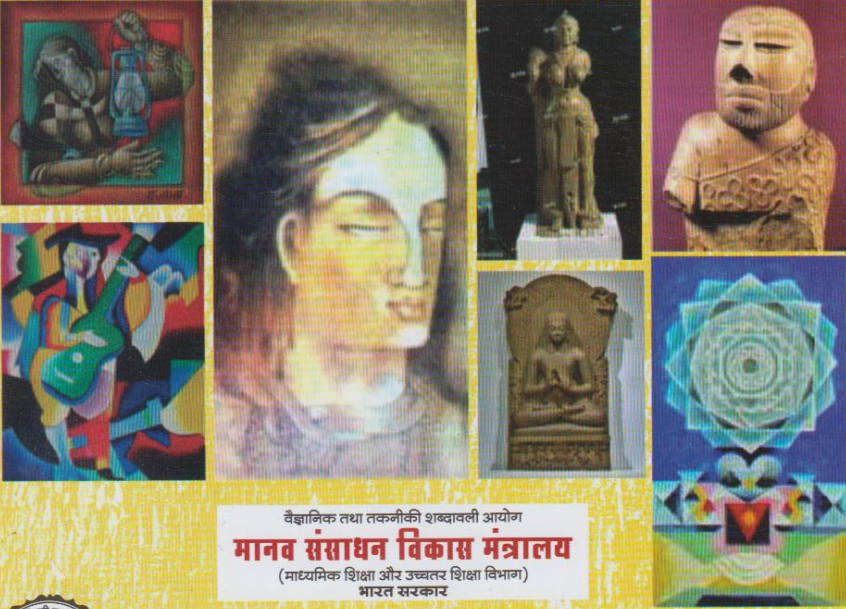


# ललितकला के आधारभूत सिद्धान्त

डॉ. मीनाक्षी कासलीवाल 'भारती'



वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)  
भारत सरकार



॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

## अनुक्रम

अध्याय

पृष्ठ संख्या

खण्ड— 'अ'

1. कला का अर्थ और परिभाषा  
(कलाओं का वर्गीकरण, कलाओं का महत्त्व) 3-15
2. दृश्य कलायें व प्रदर्शनकारी कलायें  
(चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत कला, नृत्य व नाट्य कला) 16-27
3. विभिन्न कला-शैलियों का वर्गीकरण  
(जनजातीय कला, लोक कला, शास्त्रीय कला, आधुनिक कला) 28-60
4. सृजनात्मक प्रक्रिया  
(प्रत्यक्षीकरण, अनुभूति, कल्पना और सृजनात्मक अभिव्यक्ति) 61-66

खण्ड— 'ब'

1. चित्रकला के तत्त्व (रेखा, रूप, वर्ण, तान, पोत व अन्तराल) 69-110
2. संयोजन के सिद्धान्त  
(सहयोग, सामन्जस्य, सन्तुलन, प्रभाविता, प्रवाह, प्रमाण) 111-145
3. परिप्रेक्ष्य 146-156
4. अंकन और अनुर्कन 157-163
5. विषय तथा विषय-वस्तु 164-167
6. भारतीय चित्रकला के षडंग 168-177
7. कला और प्रकृति 178-182
8. कला और समाज 183-185
9. कला और धर्म 186-190
10. कला के अन्तर्गत विविध पहलू 191-210
11. दृश्यकलाओं में परम्परागतता और आधुनिकता 211-228
12. दृश्यकलाओं की निर्मिति में सहायक परम्परागत और आधुनिक माध्यम तथा सामग्री 229-262



## अध्याय

पृष्ठ संख्या

## खण्ड— 'स'

	भारतीय मूर्तिकला का इतिहास	265-266
1.	प्रागैतिहासिक काल (सिन्धु घाटी की सभ्यता-हड़प्पा व मोहनजोदड़ो)	267-269
2.	मौर्य काल	270-277
3.	शुंग-कालीन मूर्तिकला-साँची, भारहुत	278-285
4.	अमरावती	286-290
5.	कुषाण-सातवाहन काल-गांधार शैली, मथुरा शैली	291-301
6.	गुप्त काल	302-308
7.	पूर्व मध्यकाल (एलोरा, ऐलिफेन्टा, मामल्लपुरम्)	309-315
	• सन्दर्भ ग्रन्थ एवं पुस्तकें	316-318
	• छाया-चित्र सूची	319-320
	• चित्रावली	321-337